# प्रेस नोट

## केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, स्थापना दिवस समारोह

केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई, राष्ट्रीय स्तर का एकमेव मात्स्यिकी संस्थान है । इस संस्थान ने दिनांक 6 जून 2016 को अपनी स्थापना का 55 वां वार्षिक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डा. एम. वी. गुप्ता,** विश्व खाद्य लॉरेट (2005) थे, जिनके कर-कमलों से संस्थान के 14 श्रेणियों में विजेता प्रतियोगियों को संस्थागत पुरस्कार प्रदान किए गए । इनमें सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ विस्तार वैज्ञानिक इत्यादि शामिल हैं । इस अवसर पर अतिथि विशेष के रुप में **प्रो. मधूसूदन कुरुप,** पूर्व कुलपति, केरल मात्स्यिकी एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय, **प्रो. जार्ज जॉन,** कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, झारखण्ड एवं **डा. ए. के. चौबे,** प्रभारी वैज्ञानिक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, मुंबई केन्द्र भी उपस्थित थे ।

**डा. एम. वी. गुप्ता** ने "**उच्च** मात्स्यिकी शिक्षा : वर्तमान स्थिति एवं भावी दिशाएं" विषय पर आयोजित एक व्याख्यानमाला शृंखला में बोलते हुए कहा कि मुझे वो दिन याद आ रहे हैं जब हम के. मा. शि. सं. में दक्षिण पूर्व एशियन देशों के उद्यमियों के प्रशिक्षण हेतु सत्र आयोजित किया करते थे । उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह विश्व जलकृषि उत्पादन में दूसरे स्थान को बने रहने के लिए भरसक प्रयास करें । **प्रो. मधूसूदन कुरुप** ने कृषि क्षेत्र में वृहद सरकारी योजनाओं एवं व्यय की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला । उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कौशल विकास कार्यक्रमों तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के जरिए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, जिससे प्रधानमंत्री जी का नीलीक्रांति का सपना साकार हो सके ।

**प्रो. जार्ज जॉन,** कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, झारखण्ड ने अपने वक्तव्य में के. मा. शि. सं. को यह सुझाव दिया कि वह अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों के प्रभाव का आंकलन करें और मात्स्यिकी में उद्यमियों को बढ़ावा देने की ओर कदम बढ़ाए ।

**डा. पी. के. पाण्डेय,** अधिष्ठाता, मात्स्यिकी महाविद्यालय, केन्द्रीय कृषि महाविद्यालय, त्रिपुरा का मानना था कि शिक्षण को वैज्ञानिकों की पदोन्नति में अधिक महत्व देना चाहिए, जिससे वैज्ञानिक इसमें अधिक समय लगा सकें ।

**डा. गोपालकृष्णा,** निदेशक/कुलपति भा. कृ. अनु. प. - के. मा. शि. सं., मुंबई ने मानव संसाधन विकास एवं प्रौद्योगिकी विकास, जैसे अन्तरस्थलीय लवणीय क्षेत्रों में जलकृषि, देशी मांगूर के लार्वा जीवितता में वृद्धि, सफेद दाग सूंप वायरस हेतु टीकाकरण आदि में संस्थान की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया तथा मात्स्यिकी शिक्षा के भावी विकास हेतु वैज्ञानिकों द्वारा दिए उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार प्रकट किया ।

कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन से हुआ जिसमें संस्थान परिवार के कर्मचारियों, छात्रों एवं परिवार के सदस्यों ने सक्रिय रुप से भाग लिया ।